MoU Signed between CIMP, Ennoble IP for IP related services and research

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Today, in a virtual event, two separate Memorandum of Undersatndings (MoU) were signed with Ennoble IP, one with Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) and the other with CIMP-BIIF Incubation Centre for Intellectual Property related research, innovation and allied services. Ennoble IP is a market based intellectual property consulting firm which has built up a major client base among Startups, SMEs & Universities.

On this occasion, Dr. Shweta Singh, Founder and CEO of Ennoble IP, was present as special guest and MoU partneralong with CIMP's Director, Prof. Dr. Rana Singh and CIMP-BIIF's CEO, Kumod Kumar.

While addressing the virtual event, Dr. Shweta Singh, briefed about her company's mission and its core areas of expertise which includes filing for patent, trademark, design, copyright, commercialization and training. She said "Indian Universities, SMEs and startups have huge potential and do lot of innovations, but lack of awareness put them behind and simultaneously lose their valuable IP assets. We at Ennoble IP take pledge to raise this awareness among Indian Entity and protect their IP through best solution at reasonable cost." She also highlighted the fact that the patents filed in India tripled in the last five years and rose by 30% according to the Economic Survey 2021-22. She said working with prestigious institution like CIMP in Bihar, her birth place, would be a memorable experience.

Emphasizing on the importance of this MoU, Prof. Dr. Rana Singh, said that this signing of MoUs would give catalytic boost to the IPR ecosystem in Bihar in general and would particularly benefit CIMP in improving the rankings as an institution and help CIMP-BIIF become a hub to mentor other entities for IPR in future. Speaking on the occasion, Kumod Kumar, said that Bihar lacks organizations which work in the field of IP and this MoU with Ennoble IP would help in filling the lacunae. At the end, while signing the document, Dr Shweta expressed her gratitude for choosing her organization as a partner in furthering each other interests in the field of IPR.

Morning India ! Page.NO- 03 ! Dated:19-04-2022

सीआईएमपी व एनबेल आईपी के बीच एमओयू

पटना (एसएनबी)। ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना (सीआईएमपी) और सीआईएमपी-बीआईआईएफ इनक्यूबेशन सेंटर ने एनबेल आईपी के साथ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (आईपी) से संबंधित अनुसंधान, नवाचार और संबद्ध सेवाओं के लिए दो अलग-अलग समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए । एनबेल आईपी एक बाजार आधारित बौद्धिक संपदा (आईपी) परामर्श फार्म है जिसने स्टार्टअप्स, एसएमई और विश्वविद्यालयों के बीच एक प्रमुख ग्राहक आधार बनाया है।

इस अवसर पर सीआईएमपी के निदेशक प्रो. डॉ. राणा सिंह और सीआईएमपी-बीआईआईएफ के सीईओ कुमोद कुमार के साथ एनबेल आईपी की संस्थापक और सीईओ, डॉ. श्वेता सिंह विशेष अतिथि और एमओयू पार्टनर के रूप में उपस्थित थीं। इस वर्चुअल इवेंट को संबोधित करते हुए डॉ. श्वेता सिंह ने अपनी कंपनी के मिशन और विशेषज्ञता के मुख्य क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी जिसमें पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिजाइन, कपीराइट, व्यावसायीकरण और प्रशिक्षण के लिए फाइलिंग शामिल है। उन्होंने कहा कि भारतीय विश्वविद्यालयों, एसएमई और स्टार्टअप्स में बड़ी संभावनाएं हैं और वे बहुत सारे नवाचार करते हैं, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण वे पिछड़ जाते हैं जिससे अपनी मूल्यवान आईपी-संपत्ति भी खो देते हैं। एनबेल आईपी का संकल्प भारतीय संस्थाओं के बीच इस जागरूकता को बढ़ाना और उचित लागत पर सर्वोत्तम समाधान के माध्यम से उनके आईपी की रक्षा करना हैं। उन्होंने इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला कि भारत में दायर पेटेंट की संख्या पिछले पांच वर्षों में तीन गुना हो गयी हैं और आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार 30 प्रतिशत की वृद्धि आयी है। उन्होंने कहा कि उनके जन्म स्थान बिहार में सीआईएमपी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के

■ अनुसंधान व नवाचार से संबंद्ध सेवाओं को मिलेगा बढ़ावा : प्रो. राणा सिंह

साथ काम करना एक यादगार अनुभव होगा। इस एमओयू के महत्व पर जोर देते हुए डॉ. राणा सिंह ने कहा कि इस एमओयू से एक तरफ जहां बिहार में आईपीआर-पारिस्थितिकी तंत्र को उत्प्रेरक बढ़ावा मिलेगा वही खास तौर पर सीआईएमपी की रैंकिंग में सुधार लाने और सीआईएमपी-बीआईआईएफ को भविष्य में आईपीआर के क्षेत्र में अन्य संस्थाओं को सलाह और सहायता देने का केंद्र बनने में मदार साबित होगी । कुमोद कुमार, सीआईएमपी-बीआईआईएफ के सीईओ ने कहा कि एनोबल आईपी के साथ यह समझौता ज्ञापन कमियों को भरने में मदद करेगा। दस्तावेज परहस्ताक्षर करते हुए डॉ.श्वेता ने आईपीआर के क्षेत्र में अपने संगठन को एक भागीदार के रूप में चुनने के लिए सीआईएमपी का आभार व्यक्त किया।

Rashtriya Sahara ! Page.No-05 ! Dated:19-04-2022

सीआईएमपी और एनॉबेल आईपी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

पटना/संवाददाता। सोमवार को ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से सीआईएमपी और सीआईएमपी-बीआईआईएफ इनक्यूबेशन सेंटर ने एनॉबेल आईपी के साथ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (आईपी) से संबंधित अनुसंधान, नवाचार और संबद्ध सेवाओं के लिए दो अलग-अलग समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। ज्ञात हो कि एनॉबेल आईपी एक बाजार आधारित बौद्धिक संपदा परामर्श फर्म है जिसने स्टार्ट अप्स, एसएमई और विश्वविद्यालयों के बीच एक प्रमुख ग्राहक आधार बनाया है। इस अवसर पर सीआईएमपी के निदेशक प्रो डॉ राणा सिंह और सीआईएमपी-बीआईआईएफ के सीईओ कुमोद कुमार के साथ एनॉबेल आईपी की संस्थापक और सीईओ, डॉ श्वेता सिंह विशेष अतिथि और एमओयू पार्टनर के रूप में उपस्थित थीं।

Sanmarg ! Page.No-03
Dated:19-04-2022

सीआइएमपी और एनॉबेल आइपी के बीच समझौता

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) और सीआइएमपी-बीआइआइएफ इनक्यूबेशन सेंटर ने एनॉबेल आइपी के साथ इंटेलेक्चुएल प्रॉपर्टी (आइपी) से संबंधित अनुसंधान, नवाचार और संबद्ध सेवाओं के लिए दो अलग-अलग समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। एनॉबेल आइपी एक बाजार आधारित बौद्धिक संपदा (आइपी) परामर्श फर्म है, जिसने स्टार्टअप्स, एसएमइ और विश्वविद्यालयों के बीच एक प्रमुख ग्राहक आधार बनाया है।

इस अवसर पर सीआइएमपी के निदेशक प्रो डॉ राणा सिंह और सीआइएमपी-बीआइआइएफ के सीइओ कुमोद कुमार के साथ एनॉबेल आइपी की संस्थापक और सीइओ डॉ श्वेता सिंह विशेष अतिथि और एमओयू पार्टनर के रूप में उपस्थित थी। इस वर्चुअल इवेंट को संबोधित करते हुए डॉ श्वेता सिंह ने अपनी कंपनी के मिशन और विशेषज्ञता के मुख्य क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी। इसमें पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिजाइन, कॉपीराइट, व्यावसायीकरण और प्रशिक्षण के लिए फाइलिंग शामिल है। उन्होंने कहा भारतीय विश्वविद्यालयों, एसएमइ और स्टार्टअप्स में बड़ी संभावनाएं हैं। सीआइएमपी के निदेशक प्रो डॉ राणा सिंह ने कहा कि इस एमओयू से एक तरफ जहां बिहार में आइपीआर-पारिस्थितिकी तंत्र को उत्प्रेरक बढ़ावा मिलेगा वही खास तौर पर सीआइएमपी की रैंकिंग में सुधार होगा। सीआइएमपी-बीआइआइएफ के सीइओ कुमोद कुमार ने कहा कि बिहार में आइपी के क्षेत्र में काम करने वाले संगठनों की भारी कमी है और एनोबल आइपी के साथ यह समझौता ज्ञापन कमियों को भरने में मदद करेगा।

AAJ ! Page.NO-8
Dated:19-04-2022

सीआईएमपीः अनुसंधान के लिए एमओयू साइन

पटना | सीआईएमपी और सीआईएमपी-बीआईआईएफ इनक्युबेशन सेंटर ने सोमवार को एनॉबेल आईपी के साथ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी, आईपी से संबंधित अनुसंधान, नवाचार और संबद्ध सेवाओं के लिए दो एमओयू पर साइन किया। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. राणा सिंह और सीआईएमपी-बीआईआईएफ के सीईओ कुमोद कुमार के साथ एनॉबेल आईपी की संस्थापक और सीईओ, डॉ. श्वेता सिंह इस मौके पर मौजूद रहे। डॉ. श्वेता सिंह ने अपनी कंपनी के मिशन और विशेषज्ञता के बारे में बताया। उन्होंने पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिजाइन, कॉपीराइट, व्यावसायीकरण और प्रशिक्षण जैसे बिंदुओं पर अपनी बातें कहीं। उन्होंने कहा कि भारतीय विश्वविद्यालयों, एसएमई और स्टार्टअप्स में बड़ी संभावनाएं हैं और वे बहुत सारे नवाचार करते हैं।

Dainik Bhaskar
Page.No-07
Dated:19-04-2022

सीआइएमपी और एनाबेल आइपी के बीच हुआ एमओयू

जागरण संवाददाता, पटना : चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) और एनाबेल आइपी के साथ इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी (आइपी) से संबंधित अनुसंधान के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ है। वर्चुअल कार्यक्रम में सीआइएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह और सीआइएमपी-बीआइआइएफ के सीईओ कुमोद कुमार के साथ एनाबेल आइपी की संस्थापक और सीईओ डा. श्वेता सिंह एमओयू पार्टनर के रूप में उपस्थित थीं। निदेशक प्रो. राणा सिंह ने कहा कि एमओयू से बिहार में आइपीआर-पारिस्थितिकी तंत्र को उत्प्रेरक बढ़ावा मिलेगा। इससे सीआइएमपी की रैंकिंग में सुधार लाने और सीआइएमपी-बीआइआइएफ को भविष्य में आइपीआर के क्षेत्र में अन्य संस्थाओं को सलाह और सहायता देने का केंद्र बनने में मदद मिलेगी।

Dainik Jagran ! Page.NO-06
Dated:19-04-2022

सीआईएमपी व एनॉबेल आईपी के बीच समझौता

02 समझौतों पर किया गया हस्ताक्षर

पटना, मुख्य संवाददाता। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) और सीआईएमपी-बीआईआईएफ इंक्यूबेशन सेंटर ने एनॉबेल आईपी के साथ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (आईपी) से संबंधित अनुसंधान, नवाचार और संबद्ध सेवाओं के लिए दो अलग-अलग समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर सोमवार को हस्ताक्षर किए। एनॉबेल आईपी एक बौद्धिक संपदा (आईपी) परामर्श फर्म है।

इस मौके पर सीआईएमपी के निदेशक प्रो डॉ. राणा सिंह और सीआईएमपी-बीआईआईएफ के सीईओ कुमोद कुमार के साथ एनॉबेल आईपी की संस्थापक और सीईओ, डॉ श्वेता सिंह विशेष अतिथि और एमओयू पार्टनर के रूप में उपस्थित थीं। डॉ श्वेता सिंह ने पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिजाइन, कॉपीराइट, व्यावसायीकरण और प्रशिक्षण के लिए फाइलिंग की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय विश्वविद्यालयों, एसएमई और स्टार्टअप्स में बड़ी संभावनाएं हैं, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण वे पिछड़ जाते हैं और साथ ही साथ अपनी मूल्यवान आईपी-संपत्ति भी खो देते हैं। प्रो डॉ राणा सिंह ने कहा कि इस एमओयू से एक तरफ जहां बिहार में आईपीआर-पारिस्थितिकी तंत्र को उत्प्रेरक बढ़ावा मिलेगा, वहीं खास तौर पर सीआईएमपी की रैंकिंग में सुधार लाने और सीआईएमपी-बीआईआईएफ को भविष्य में आईपीआर के क्षेत्र में अन्य संस्थाओं को सलाह और सहायता देने का केंद्र बनने में मददगार साबित होगा। सीआईएमपी-बीआईआईएफ के सीईओ कुमोद कुमार ने कहा कि बिहार में आईपी के क्षेत्र में काम करने वाले संगठनों की कमी है। यह समझौता कमियों को दूर करेगा।

Hindustan (Hindi) ! Page.No-09
Dated:19-04-2022

सीआइएमपी और एनॉबेल आइपी के बीच समझौता

पटना. चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) और सीआइएमपी-बीआइआइएफ इनक्यूबेशन सेंटर ने एनॉबेल आइपी के साथ इंटेलेक्चुएल प्रॉपर्टी (आइपी) से संबंधित अनुसंधान, नवाचार और संबद्ध सेवाओं के लिए दो अलग-अलग समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं. एनॉबेल आइपी एक बाजार आधारित बौद्धिक संपदा (आइपी) परामर्श फर्म है, जिसने स्टार्टअप्स, एसएमइ और विश्वविद्यालयों के बीच एक प्रमुख ग्राहक आधार बनाया है. सीआइएमपी के निदेशक प्रो डॉ राणा सिंह और सीआइएमपी-बीआइआइएफ के सीइओ कुमोद कुमार के साथ एनॉबेल आइपी की संस्थापक और सीइओ डॉ श्वेता सिंह विशेष अतिथि और एमओयू पार्टनर के रूप में उपस्थित थीं. इस वर्चुअल इवेंट को संबोधित करते हुए डॉ श्वेता सिंह ने अपनी कंपनी के मिशन और विशेषज्ञता के मुख्य क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी. इसमें पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिजाइन, कॉपीराइट, व्यावसायीकरण और प्रशिक्षण के लिए फाइलिंग शामिल है. उन्होंने कहा भारतीय विश्वविद्यालयों, एसएमइ और स्टार्टअप्स में बड़ी संभावनाएं हैं.

Prabhat Khabar
Page.No-04
Dated:19-04-2022